Teacher Training College

14 C-11 Guidance & Counselling

04 Friday Wk-16/Day (104-261)

रोजगार विश्लेषण विधि
(METHOD of JOB-Analysis)

कैरियर निर्देशक का मुख्य कार्य व्यक्ति को रोजगार के सम्बन्ध में जानकारी देना तथा उसको उसकी योग्यताओं एवं क्षमताओं का ज्ञान देना होता है। रोजगारों की प्रकृति तथा व्यक्ति की योग्यताओं एवं क्षमताओं के आधार पर यह पूर्वानुमान करना कि वह व्यक्ति किस रोजगार में अच्छा कार्य कर सफल हो सकेगा। इस प्रकार व्यावसायिक निर्देशन में व्यक्ति के लिए रोजगार के सम्बन्ध में पूर्वानुमान करते हैं। प्रवणता का अर्थ, परिभाषा तथा प्रयोग का वर्णन किया जा चुका है। प्रवणता परीक्षण कई प्रकार के लिए गए, क्योंकि प्रवणता का सम्बन्ध रोजगार से होता है। अतः भिन्न रोजगारों के लिए विभिन्न प्रवणता परीक्षण होते हैं। प्रत्येक रोजगार में कुशल होने शिक्षक तथा डाक्टर के लिए शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावात्मक दृष्टि से सामान्य होना आवश्यक होता है। एक कुशल शिक्षक तथा डाक्टर के लिए शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावात्मक दृष्टि से सामान्य होना आवश्यक होता है जबकि एक कुशल अभियन्ता के लिए शारीरिक, मानसिक दृष्टि दृष्टि से मानसिक, सामाजिक एवं भावात्मक दृष्टि से सामान्य होना आवश्यक है। एक कुशल शिक्षक तथा डाक्टर के लिए शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावात्मक दृष्टि से सामान्य होना आवश्यक नहीं होता है। क्रमशः शिक्षक, डाक्टर तथा अभियन्ता की आवश्यकता है। इसलिए प्रवणता परीक्षण के निर्माण में रोजगार के अवयवों का विश्लेषण किया जाता है जिससे रोजगार के उन पक्षों के मापन हेतु प्रवणता परीक्षण की

Phone/Email/Notes

Notes

MARCH

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

रचना की जा सके। इस प्रकार के विश्लेषण अधिकांश परीक्षणों के निर्माण में करने होते हैं।

1) पाठ्यवस्तु विश्लेषण (Content Analysis) निष्पत्ति परीक्षण के निर्माण में किया जाता है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यवस्तु पर प्रश्नों की रचना की जाती है।

2) बौद्धिक व्यवहार विश्लेषण बुद्धि परीक्षणों के निर्माण में किया जाता है, तथा

3) रोजगार विश्लेषण अभिक्षमता परीक्षण के निर्माण में किया जाता है।

रोजगार विश्लेषण का अर्थ एवं परिभाषा

रोजगार के आधारभूत तत्वों एवं उसकी सफल कार्यान्वयन हेतु श्रमिक के लिए अपेक्षित गुणों का निर्धारण रोजगार-विश्लेषण के अन्तर्गत आता है।

अमेरिका के वार मैन-पावर कमीशन (संयुक्त राज्य) में रोजगार विश्लेषण की परिभाषा इस प्रकार दी है कि रोजगार विश्लेषण किसी रोजगार की क्रिया के बारे में निरीक्षण एवं अध्ययन द्वारा सम्बद्ध सूचना को प्राप्त करने एवं सूचित करने की क्रिया है यह रोजगार के वांछित कौशल, ज्ञान, योग्यताओं, तथा सफलता प्राप्ति के लिए आवश्यक उत्तरदायित्वों को निर्धारित करने वाले एवं रोजगार को अन्य रोजगारों से भिन्न करने वाली क्षमताओं का निर्धारण करता है।

Sunday 16

APRIL

M	T	W	T	F	S	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

Phone/Email/Notes

Notes

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

किसी रोजगार के विश्लेषण में तीन प्रमुख बातों का ध्यान दिया जाना चाहिए

i) रोजगार का पूर्ण एवं सही परिचय प्रदान करना।

2. रोजगार से सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्यों का ठीक-ठीक वर्णन, तथा

3. सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए श्रमिक में कौन-कौन से गुण अपेक्षित हैं।

रोजगार विश्लेषण का प्रयोजन

आज विशिष्टीकरण का युग है, रोजगार-विश्लेषण विभिन्न व्यवसायों में विभिन्न रोजगारों के लिए वांछित विशिष्टीकरण को जानने में सहायक होता है। यदि रोजगार के लिए आवश्यक विशेष कौशलों के ऊपर प्रशिक्षण में विशेष ध्यान दिया जाता है तो कुशल छात्रों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। रोजगार के लिए भर्ती, चुनाव एवं नौकरी प्रदान करते समय यदि रोजगार के लिए अपेक्षित व्यक्तिगत गुणों के बारे में नौकरी प्रदान करने वाले अधिकारी को ज्ञान है तो उचित कार्य के लिए उचित व्यक्ति का चुनाव वह सफलतापूर्वक कर सकता है। यह ज्ञान रोजगार विश्लेषण एवं उसके निष्कर्षों के अध्ययन से ही प्राप्त हो सकता है।

Phone/Email/Notes

Notes

MARCH

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कार्य-नियोजन से रोजगार में सन्तोष प्राप्त करने वाले एवं कुशल व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि होगी। रोजगार-विश्लेषण के आधार पर किसी व्यवसाय में लगे अनेक व्यक्तियों को उनकी योग्यता एवं रूचि से अधिकाधिक लाभ उठाने की दृष्टि से उनको उचित स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकता है। कार्यालयों एवं श्रमिक क्षेत्रों में रोजगार-विश्लेषण इस प्रकार अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

इसके अतिरिक्त, रोजगार विश्लेषण के आधार पर उपयोग या व्यवसाय विशेष रोजगार के सम्बन्ध में नियोजनों के क्षेत्रों और कार्य पता लगाया जा सकता है। रोजगार-विश्लेषण सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से तो उपयोगी है ही, उद्योगों एवं व्यवसायों के प्रबन्ध की दृष्टि से भी इसका अधिक महत्व है।

रोजगार-विश्लेषण की सीमाएँ

व्यवसायिक विश्लेषण किसी निश्चित समय एवं निश्चित परिस्थितियों में ही पूर्ण तथा प्रयोग के योग्य होते हैं। इसीलिए इनका प्रयोग रोजगार प्रदान किए जाने या प्रौढ़ व्यक्तियों के निर्देशन में अधिक लाभदायक हो सकता है। सामान्य विद्यालयों में रोजगार विश्लेषणों का उतना ही सही उपयोग कठिन है। व्यवसायों की प्रकृति, रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों एवं उनकी अवधि में परिवर्तन आदि अनेक गतिशील तत्व रोजगार विश्लेषण के पुनर्निरीक्षण को आवश्यक बना देते हैं।

Phone/Email/Notes
Notes
APRIL
M 3 10 17 24
T 4 11 18 25
W 5 12 19 26
T 6 13 20 27
F 7 14 21 28
S 1 8 15 22 29
S 2 9 16 23 30
MAY
JUNE
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कार्य नियोजन से रोजगार में सन्तोष प्राप्त करने वाले एवं कुशल व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि होगी। रोजगार-विश्लेषण के आधार पर किसी व्यवसाय में लगे अनेक व्यक्तियों को उनकी योग्यता एवं रुचि से अधिकाधिक लाभ उठाने की दृष्टि से उनको उचित स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकता है। कार्यालयों एवं श्रमिक क्षेत्रों में रोजगार विश्लेषण इस प्रकार अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इसके अतिरिक्त रोजगार विश्लेषण के आधार पर उपयोग या व्यवसाय विशेष रोजगार के अवसरों एवं नियोजनों के क्षेत्रों आदि का पता लगाया जा सकता है। रोजगार विश्लेषण सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से तो उपयोगी है ही, उद्योगों एवं व्यवसायों के प्रबन्ध की दृष्टि से भी इसका अधिक महत्व है।

रोजगार-विश्लेषण की सीमाएँ

व्यावसायिक विश्लेषण किसी निश्चित समय एवं निश्चित परिस्थितियों में ही पूर्ण तथा प्रयोग के योग्य होते हैं, क्योंकि इनका प्रयोग नौकरी प्रदान किए जाने या प्रौढ़ व्यक्तियों के निर्देशन तो अधिक लाभदायक हो सकता है, सामान्य विद्यालयों में रोजगार विश्लेषणों का उतना ही सही उपयोग कठिन है। व्यवसायों की प्रकृति, रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों एवं उनकी अवधि में परिवर्तन आदि अनेक गतिशील तत्व रोजगार विश्लेषण के पुनर्निरीक्षण को आवश्यक बना देते हैं।

Phone/Email/Notes
Notes
APRIL
M 3 10 17 24
T 4 11 18 25
W 5 12 19 26
T 6 13 20 27
F 7 14 21 28
S 1 8 15 22 29
S 2 9 16 23 30
MAY JUNE
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

रोजगार के अध्ययन की आधारभूत रूपरेखा
(Basic outline for the study of a job/
राष्ट्रीय व्यावसायिक निर्देशन संघ के व्यावसायिक शोध विभाग ने किसी रोजगार या व्यवसाय के अध्ययन के लिए रूपरेखा तैयार की है,

i) व्यवसाय का इतिहास

2. व्यवसाय का महत्व तथा समाज से उसका सम्बन्ध

3. व्यवसाय में लगे व्यक्तियों की संख्या

4) श्रमिक प्रवृतियों की आवश्यकता

5) कार्य

(अ) विशिष्ट कार्य - अन्य व्यवसाय जिनसे इस कार्य का सम्बन्ध है, काम की प्रकृति, उपकरण, यन्त्र तथा अन्य उपयोग में आनेवाली सामग्री।

(ब) व्यवसाय की कानूनी परिभाषा - कार्यकर्ताओं के संगठन द्वारा की गई परिभाषा, सावधानीपूर्वक दी गई धार्मिक परिभाषा, जो कार्य में लगे लोगों को स्वीकार है।

Phone/Email/Notes

Notes

6) अर्हताएँ (Qualification) - लिंग, आयु, प्रजाति, विशिष्ट शारीरिक, मानसिक सामाजिक एवं नैतिक गुण, कौशल, विशेष मशीनों एवं उपकरणों, श्रमिकों को प्रभावित करने वाले प्रावधान

MARCH					
M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner